मानव में अब होगा मानवता का जागरण - उपाध्याय

- धूमधाम से उत्तर प्रदेश में पहली बार विश्व शान्ति मेले का हुआ आगाज़।
- भारत के राष्ट्रपति, मॉरीशस के प्रधानमंत्री अनिरुद्ध जगन्नाथ, अन्ना हज़ारे एवं राजस्थान की मुख्यमंत्री ने भेजी शुभकामनाएं।

विश्व शान्ति मेला का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए मुकुल उपाध्याय, ब्र.कु. उषा, अजय कुमार व अन्य ब्र.कु. बहनें व भाई।

हाथरस-उ.प्र.। मानव में मानवता के जागरण का बहुत सराहनीय प्रयास है विश्व शान्ति मेला, हाथरस और उसके आसपास की जनता, खासकर युवा इससे अवश्य लाभान्वित होंगे। ऐसा कहना था ब्रह्माकुमारीज़ के पंजाब ज़ोन द्वारा आयोजित `विश्व शान्ति मेले' में पर्यावरण, व्यसनमुक्ति, साहित्य, कला और संस्कृति के संगम की झाँकी का अवलोकन करने के पश्चात् पूर्व एम.एल.सी. मुकुल उपाध्याय का ।

ब्रह्माकुमारीज़ की प्रमुख आध्यात्मिक वक्ता व वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज मनुष्य चाहता तो है कि वह और उसके परिवार के सदस्यों के जीवन में गुणों की धारणा हो लेकिन वातावरण और परिस्थितियों से जूझ कर विजयी बनने की कला सिखाने का कार्य यह मेला करेगा। परमपिता परमात्मा शिव को अपना साथी बना लेने से किसी भी कष्ट में दुःख का अनुभव नहीं होता।

मंगलायतन विश्व विद्यालय के डायरेक्टर अजय कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुझे यहां आकर बहुत खुशी मिली, सौभाग्यशाली हूँ। मेले में सामाजिक, पारिवारिक, राष्ट्रीय समस्याओं का सकारात्मक हल बताने का प्रयास किया गया। पर्यावरण, जीवन मूल्य, स्वास्थ्य, व्यसन मुक्ति सहित बच्चों के ढ़ेरों खेलों के दर्जनभर शिविरों का आयोजन किया गया। आर.बी.एस. के बच्चों व ब्र.कु. तनु ने आध्यात्मिक गीतों पर अपनी ज़ोरदार प्रस्तुति दी।

समाज तंदुरुस्त तो देश तंदुरुस्त - ब्र.कु. करुणा

भिलोड़ा में निःशुल्क सर्वरोग निदान कैम्प में लगभग हज़ार लोगों ने भाग लिया।
व्यसनमुक्ति के लिए लोग आगे आए और त्याग की भावना से व्यसन छोड़े।

निःशुल्क सर्वरोग निदान कैम्प के दौरान रोगियों की चिकित्सा जाँच करते हुए डॉक्टर। चिकित्सा लाभ लेते ग्रामवासी।

भिलोड़ा-गुज.। गुजरात के जाने-माने पंद्रह डॉक्टर्स की टीम के विशेष योगदान द्वारा व भिलोड़ा विकास परिषद एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग के सहयोग से निःशुल्क सर्व रोग निदान कैम्प में अरवल्ली (मोडासा) विस्तार में गरीब आदिवासी रोगियों को मुफ्त दवाइयां देकर उनके रोगों का निदान किया गया।

भारत विकास परिषद के अध्यक्ष जीतेन्द्र भाटिया ने बताया कि सम्पर्क, सेवा एवं समर्पण भाव के सहयोग के कारण ही यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिकल विंग के माध्यम से व पंद्रह रोग निदान विशेषज्ञों के अमूल्य सहयोग से ये कार्य बहुत सफल रहा। निदान कैम्प के अवसर पर ब्र.कु. करुणा, मेडिकल विंग के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. बनारसी शाह, सर्व डॉक्टर्स टीम, पूर्व सांसद डॉ. महेन्द्र सिंह, ब्र.कु. गंगाधर, सूचना के पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर के.एम.डामोर, कौशिक सोनी, मुकेश भाई पंचाल एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ के जनसम्पर्क अधिकारी ब्र.कु. करुणा ने बताया कि अरवल्ली जिला के निःशुल्क कैम्प में आये लाभार्थियों को देख मुझे बहुत हर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र स्वस्थ बनेगा और विश्व कल्याण की भावना सही अर्थ में सफल होगी।

गुटका, पान, बीड़ी, शराब ने आज सामान्य मानव के जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। ऐसे व्यसनों से मुक्त करने के लिए हम सबको आगे आकर जागृति लानी होगी।

कार्यक्रम में स्थानीय जन-अधिकारी सक्रियता से जुटे और कार्यक्रम को सफल बनाया। साथ ही ब्र.कु. शोभा ने भी सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में लगभग 1000 लोगों ने भाग लिया।

सभी दुःखों का कारण है अज्ञानता : दादी

दीपावली के अवसर पर लड़ियों की रोशनी से रोशन होता ओमशान्ति भवन

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू। जीवन में सर्व दुःखों का कारण अज्ञान है। अज्ञान रूपी अंधकार को समाप्त करने के लिए ज्ञान का जीवन में समावेश करने की ज़रूरत है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने पाण्डव भवन में दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मन में निरंतर ज्ञान की रोशनी जगाकर रखने से जीवन सदैव ऊर्जावान बना रहता है। त्योहारों के वास्तविक रहस्य को जानकर मनाने से ही सुख, शान्ति व खुशी सदा कायम रह सकती है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप अपने जीवन को सुख शांति से भरपूर करने के लिए श्रीलक्ष्मी व श्रीनारायण जैसे लक्षणों को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में ज्ञानसरोवर निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. शशि व ब्र.कु. मृत्युंजय ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

दीपावली है विजय मनाने का त्योहार

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी व दादी रतनमोहिनी।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ज्ञानसरोवर के प्रांगण में जब नुमाशाम 7 बजे दादियों की बग्गी ने प्रवेश किया तो प्रांगण में दोनों तरफ मोमबत्ती लिये हुए राजयोगी भाई बहनें खड़े थे और दादी जी की बग्गी ने उनके मध्य से गुज़रते हुए हार्मनी हॉल में प्रवेश किया। हार्मनी हॉल में प्रवेश करते ही वहां देश विदेश से आये हुए राजयोगी भाई बहनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दादियों का स्वागत। हार्मनी हॉल दीपक की लड़ियों और गुब्बारों से सुसज्जित था। दादियों एवं वरिष्ठ भाई बहनों के लिए बहुत सुंदर स्टेज सजाया गया था। सभी का सीनियर भाई बहनों द्वारा स्वागत किया गया। दादी ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली हमारी आसुरी प्रवृत्तियों पर विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी को परमात्म ज्ञान से अपने जीवन को रोशन कर नई दुनिया को लाना है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि अपने दिल में परमात्मा को बिठाओ तो कभी भी दुःख रूपी अंधकार जीवन में नहीं आयेगा और कभी भी कुछ बात आती है तो परमात्मा को अर्पण करते चलो और उड़ते चलो। सभी दादियों ने मिलकर केक काटा और दीप जलाये और रशिया से आये कलाकारों ने भारतीय गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th Nov 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।